केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

महिलाएं आज भी मजबूती से नहीं रख पाती हैं अपनी बात

महेंद्रगढ़, 11 अप्रैल (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा नारीवाद अनुसंधान पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड में आयोजित इस कार्यशाला को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की शोधार्थी अर्चना पांडे ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में नारी से संबंधित सभी समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि केवल राजनीतिक भागीदारी मात्र से महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। अर्चना पांडे ने कहा कि महिलाएं यूं तो आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सीधे भागीदारी निभा रही हैं, मगर बावजूद इसके आज भी महिलाएं अपनी बात समाज के सम्मुख मजबूती के साथ नहीं रख पाती हैं। कुछ उदाहरणों को छोड़ दिया जाए तो महिलाएं बड़े पद पर होने के बाद भी समाज में बदलाव के लिए कोई बड़ा निर्णय नहीं ले पाती हैं। इस प्रकार सदियों से आज तक हमारा समाज पुरूष प्रधान समाज बना हुआ है, समाज में महिलाओं के योगदान का कोई मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला को संबोधित करतीं जेएनयू की शोधार्थी अर्चना पांडे। -निस

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 12 April 2017
epaper.dainiktribuneonline.com/c/18243410

नारीवादी अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला आयोजित

संबोधित करती जे.एन.यू. की शोधार्थी अर्चना पांडे। मोहन

महेन्द्रगढ़, 11 अप्रैल (मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.) के समाजशास्त्र विभाग द्वारा नारीवाद अनुसंधान पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड में आयोजित इस कार्यशाला को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से आई शोधार्थी अर्चना पांडे ने मुख्यातिथि के रूप में संबोधित किया।

उन्होंने ने अपने संबोधन में नारी संबंधित सभी समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि केवल राजनीतिक भागीदारी मात्र से महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

अर्चना पांडे ने आगे कहा कि महिलाएं यूं तो आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सीधे भागीदारी निभा रही हैं, बावजूद इसके आज भी महिलाएं अपनी बात समाज के सम्मुख मजबूती के साथ नहीं रख पाती हैं।

कुछ उदाहरणों को छोड़ दिया जाए तो महिलाएं बड़े पद पर होने के बाद भी समाज में बदलाव के लिए कोई बड़ा निर्णय नहीं ले पाती हैं। इस प्रकार सदियों से आज तक हमारा समाज पुरुष प्रधान समाज बना हुआ है, समाज में महिलाओं के योगदान का कोई मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

समाज में महिलाओं को संतान पैदा करने वाली मशीन भी कहा जाता है जबकि पुरुष के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं किया जाता है। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों द्वारा किए गए सवालों का जवाब भी अर्चना ने दिया।

इस कार्यशाला में अन्य विभाग के शिक्षक डा. राजीव कुमार सिंह, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डा. आशीष कुमार, डा. जितेन्द्र प्रसाद, डा. रीमा गिल, डा. लॉगकोई के साथ-साथ भारी संख्या में विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बड़े पद पर होने के बाद भी बड़ा निर्णय नहीं ले पातीं महिलाएं

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में नारीवाद अनुसंधान पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विवि के शैक्षणिक खंड में आयोजित कार्यशाला में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से आई शोधार्थी अर्चना पांडे मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने ने अपने संबोधन में नारी से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि केवल राजनीतिक भागीदारी मात्र से महिलाओं की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता है।

अर्चना पांडे ने आगे कहा कि महिलाएं यूं तो आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सीधे भागीदारी निभा रही हैं। बावजूद इसके आज भी वे अपनी बात समाज के सम्मुख मजबूती के साथ नहीं रख पाती हैं। कुछ उदाहरणों को छोड़ दिया जाए तो महिलाएं बड़े पद पर होने के बाद भी समाज में बदलाव के लिए कोई बड़ा निर्णय नहीं ले पातीं। सदियों से आज तक हमारा समाज पुरुष प्रधान बना हुआ है और समाज में महिलाओं के योगदान का कोई मूल्यांकन नहीं किया जाता। महिलाओं के कार्यों का मूल्यांकन किए बिना उनका सशक्त नहीं बनाया जा सकता है। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों के सवालों का जवाब भी अर्चना ने दिया।

कार्यशाला में ये रहे मौजूद

कार्यशाला में अन्य विभाग के शिक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार, डॉ. जितेन्द्र प्रसाद, डॉ. रीमा गिल व डॉ. लॉगकोइ के साथ ही बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़. कार्यक्रम के दौरान संबोधित करती जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से आई शोधार्थी अर्चना पांडे।

नारीवादी अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला

हकेंविवि में कार्यशाला को संबोधित करती जेएनयू की शोधार्थी अर्चना पांडे।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के समाजशास्त्र विभाग द्वारा नारीवाद अनुसंधान पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड में आयोजित इस कार्यशाला को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से आई शोधार्थी अर्चना पांडे ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में नारी संबंधित सभी समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि केवल राजनीतिक भागीदारी मात्र से महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं हो सकता हैं। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों द्वारा किए गए सवालों का जवाब भी अर्चना ने दिया। इस कार्यशाला में अन्य विभाग के शिक्षक डॉ. राजीव कुमार सिंह, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार, डॉ. जितेंद्र प्रसाद, डॉ. रीमा गिल, डॉ. लॉगकोइ के साथ विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

हकेंवि में नारीवादी अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला आयोजित

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा नारीवाद अनुसंधान पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड में आयोजित इस कार्यशाला को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से आई शोधार्थी अर्चना पांडे ने मुख्यातिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने ने अपने संबोधन में नारी संबंधित सभी समस्याओं पर प्रकाश डाला और कहा कि केवल राजनीतिक भागीदारी मात्र से महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। महिलाएं यू तो आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सीधे भागीदारी निभा रही है, बावजूद इसके आज भी महिलाएं अपनी बात समाज के सम्मुख मजबूती के साथ नहीं रख पाती हैं। कुछ उदाहरणों को छोड़ दिया जाए तो महिलाएं बड़े पद पर होने के बाद भी समाज में बदलाव के लिए कोई बड़ा निर्णय नहीं ले पाती है। इस प्रकार

कार्यशाला को संबोधित करते हुए शोधार्थी अर्चना पांडे ● जागरण

सदियों से आज तक हमारा समाज पुरुष प्रधान समाज बना हुआ है, समाज में महिलाओं के योगदान का कोई मूल्यांकन नहीं किया जाता है। कार्यशाला के अंत मे विद्यार्थियों द्वारा किए गए सवालों का जवाब भी अर्चना ने दिया। कार्यशाला में अन्य विभाग के शिक्षक डा. राजीव कुमार सिंह, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डा. आशीष कुमार, डा. जितेन्द्र प्रसाद, डा. रीमा गिल, डा. लॉगकोई सहित विद्यार्थी भी उपस्थित थे।